आभार

यह शोध प्रबंध प्रस्तुत करने के शुभ अवसर पर मैं अपने गुरुजनों, मित्रों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व कृतज्ञता प्रकट करना चाहता हूँ। जिनकी सहायता से ही आज में अपने शोधकार्य को सुचारुरुप से पूर्ण कर पाया।

सबसे पहले मैं अपने परम आदरणीय शोध निर्देशिका डॉ. मनीषा ठक्कर मैडम का ऋणी हूँ, जो कि महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत है। जिन्होंने मेरे शोध कार्य हेतु विषय चयन से लेकर अपने विद्वत्तापूर्ण मार्गदर्शन की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। वस्तुतः यह स्वीकृति मुझ अल्पज्ञ पर हित विद्या प्रदायिनी सरस्वती का साक्षात अनुग्रह ही था। आपकी संवेदनशीलता व विद्वतापूर्ण मार्गदर्शन के परिणाम स्वरूप ही में शोध स्तरीय गहन अध्ययन कर सका।

मैं अपने विभागाध्यक्ष डॉ. कल्पना गवली के प्रति आभार ज्ञापित करता हूं जिनके सानिध्य में मैं अपना शोधप्रबंध पूर्ण कर सका। मैं अपने विभाग के आदरणीय प्राध्यापकों में प्रोफेसर दक्षा मिस्त्री, प्रोफेसर दीपेंद्र सिंह जाडेजा, डॉ एन. एस. परमार, डॉक्टर निनामा, डॉक्टर अजहर सर आदि के प्रति आभारी रहूंगा। जिन का सहयोग मुझे हमेशा प्राप्त होता रहा है। मैं महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा के पुस्तकालय और सोशल मीडिया का आभार प्रकट करता हूं।

मुझे बहुमूल्य शोध सामग्री उपलब्ध कराने के लिए श्रीमती हंसा मेहता लाइब्रेरी का विशेष रूप से आभार प्रकट करता हूं। इसके अलावा मुझे 5 साल के लिए फेलोशिप प्रदान करने के लिए मैं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का आभारी रहूंगा। मैं सभी का आभारी हूं जिन के सहयोग से मेरा यह शोध कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मेरे शोधार्थी मित्रों में विजय प्रकाश, नागेंद्र, पिंटू, प्रकाश चंद, राजबहादुर, मीरा, आशा साल्वे, जयश्री गामीत का धन्यवाद करना चाहता हूं।

अपने पूजनीय माता-पिता श्री जैसराज यादव ,श्रीमती हीरावती देवी के चरणों में नतमस्तक हूं , जिनका मुझे निरंतर शोधकार्य को सही तरीके से व समय पर पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहन मिलता रहा। इस शोध कार्य को पूरा करने की प्रेरणा के रूप में मैं अपने बड़े भाई-बहनों अशोक कुमार यादव, अनिल कुमार यादव, अनीता यादव, संगीता यादव के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूं जिनका मुझे प्रोत्साहन व स्नेह प्राप्त हुआ। अंत में मैं अपने जीवनसाथी सीमा यादव तथा अपनी पुत्री प्यारी बानी का धन्यवाद करता चाहता हूं जिनके निरंतर सहयोग से यह शोध कार्य सुचारू रूप से पूर्ण हुआ।

****